02 Jan. 2024

DAILY CURRENT AFFAIRS

By

Mentorship India

SOURCES

THE HINDU | PIB | THE FINANCIAL EXPRESS | ET Economic Times.com | live mint | AIR | The Indian EXPRESS Journalism of Courage

Date: 02 Jan. 2024

महत्वपूर्ण समाचार लेख

1. सरकार नई मनरेगा भुगतान प्रणाली से छूट दे सकती है - द हिंदू/केंद्र सरकार ने मनरेगा मजदूरी के भुगतान हेतु ABPS अनिवार्य की - इंडियन एक्सप्रेस
2. भारत और पाक ने परमाणु प्रतिष्ठानों की सूची साझा की- द हिंदू/भारत,पाक ने परमाणु प्रतिष्ठानों की सूची का आदान-प्रदान किया - इंडियन एक्सप्रेस
3. अधिक चीनी, नमक, वसा वाले भोजन पर 20-30% स्वास्थ्य टैक्स लगाया जा सकता है - द हिंदू
4. केंद्र सरकार ने ने MSP संबंधी चिंताओं को चिह्नित किया: तेल आयात बढ़ने से कम रिटर्न - इंडियन एक्सप्रेस
5. 1,117 सीमा चौकियों पर 4G सेवाएं मुहैया कराई जाएंगी: केंद्र - द हिंदू
6. NARCL के स्ट्रेस्ड खातों के अधिग्रहण में तेजी लाएं, धोखाधड़ी रोकने पर ध्यान केंद्रित करें: वित्त मंत्रालय - इंडियन एक्सप्रेस
7. भारत ने जलवायु परिवर्तन से निपटने और वन्यजीव संरक्षण को बढ़ाने हेतु सार्थक कार्रवाई को बढ़ावा दिया - द हिंदू

एडिटोरियल, जिस्ट, एक्सप्लेनेर

8. विश्व मौसम विज्ञान संगठन की वैश्विक जलवायु रिपोर्ट - इंडियन एक्सप्रेस
9. ऑन द मून, एंड एक्सप्लोरेशन न्यू फ्रंटियर्स" - इंडियन एक्सप्रेस
10. भारत, कोरिया गणराज्य के बीच रक्षा सहयोग - द हिंदू
11. फ़ाइनेंशियल इंटेलिजेंस यूनिट इंडिया द्वारा आभासी परिसंपत्ति प्रदाताओं के विरुद्ध कार्रवाई - द हिंदू
12. इसरो का एक्सपोसैट(XPoSat)मिशन - इंडियन एक्सप्रेस

फैक्ट फटाफट

1. गैरकानूनी गतिविधियाँ (रोकथाम) अधिनियम (UAPA)
2. 16वाँ वित्त आयोग
3. राष्ट्रीय ट्रांजिट पास प्रणाली
4. भारत का पहला पूर्णतः कन्या सैनिक स्कूल
5. विदेशी पोर्टफोलियो निवेश (FPI)
6. कार्बन सीमा समायोजन तंत्र (CBAM)
7. चुनावी बॉण्ड
8. साल्टन सागर

महत्वपूर्ण समाचार लेख

सामान्य अध्ययन II

1. सरकार नई मनरेगा भुगतान प्रणाली से छूट दे सकती है - द हिंदू/केंद्र सरकार ने मनरेगा मजदूरी के भुगतान हेतु ABPS अनिवार्य की - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: केंद्र और राज्यों द्वारा आबादी के कमजोर वर्गों के लिए कल्याणकारी योजनाएं और इन योजनाओं का प्रदर्शन; इन कमजोर वर्गों की सुरक्षा और बेहतरी के लिए गठित तंत्र, कानून, संस्थाएं और निकाय।

प्रीलिम्स टेकअवे
- आधार-आधारित भुगतान प्रणाली
- आधार

समाचार:
- नरेगा श्रमिकों को मजदूरी के भुगतान के लिए अब **आधार-आधारित भुगतान प्रणाली (ABPS)** अनिवार्य हो गई है
- सरकार ने कहा कि यदि किसी ग्राम पंचायत को **"तकनीकी समस्याओं"** का सामना करना पड़ता है तो वह **"मामला-दर-मामला आधार"** पर छूट पर विचार कर सकती है।

पृष्ठभूमि
- ABPS के तहत, श्रमिकों के **12 अंकों** के **आधार नंबर** उनके **जॉब कार्ड** के साथ-साथ उनके बैंक खातों से जुड़े हुए हैं।
- इस प्रणाली को पहली बार **1 फरवरी, 2023** से अनिवार्य बनाया गया था
  - लेकिन, कई विस्तारों के माध्यम से, केंद्र ने **31 दिसंबर, 2023** तक **ABPS** और **NACH** के **मिश्रित** मार्ग की अनुमति दी, जो एक **इंटरबैंक प्रणाली** है जिसका उपयोग **सब्सिडी** और **वेतन** जैसे **थोक भुगतान** के लिए किया जाता है।
- राज्यों को **31 दिसंबर** से आगे कोई विस्तार नहीं दिए जाने के कारण, **1 जनवरी, 2024** से **ABPS** अनिवार्य हो गया।
- "भारत सरकार ने अकुशल श्रमिकों का वेतन भुगतान **APBS** के माध्यम से करने का निर्णय लिया है
  - लाभार्थी द्वारा बार-बार **बैंक खाता** बदलने की स्थिति में भी लाभार्थियों का भुगतान उनके बैंक खाते में सुनिश्चित करना

आधार आधारित भुगतान प्रणाली (ABPS)
- यह प्रणाली पहली बार **वर्ष 2017** में शुरू की गई थी।
- यह प्रणाली **धन हस्तांतरित** करने के उद्देश्य से प्राप्तकर्ता की पहचान करने के लिए उसके **आधार नंबर** का उपयोग करती है।
- यह प्रणाली **वेतन भुगतान** में **पारदर्शिता** को बढ़ावा देती है और किसी भी **अनधिकृत पहुंच** को रोकने में मदद करती है।
- यह **श्रमिकों के वेतन भुगतान में** उनके **बैंक खातों** से **संबंधित समस्याओं** के कारण होने वाले किसी भी व्यवधान को रोकता है।
- सरकारी आंकड़ों के अनुसार, **मार्च 23 में 84%** स्थानांतरण **ABPS** पर आधारित थे।

2. भारत और पाक ने परमाणु प्रतिष्ठानों की सूची साझा की- द हिंदू/भारत,पाक ने परमाणु प्रतिष्ठानों की सूची का आदान-प्रदान किया - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक समूह और समझौते जिनमें भारत शामिल है और/या भारत के हितों को प्रभावित करते हैं।

प्रीलिम्स टेकअवे
- परमाणु बिजली संयंत्र
- परमाणु ऊर्जा

समाचार:
- **तीन दशक** से अधिक समय से जारी **अभ्यास** को जारी रखते हुए, **भारत** और **पाकिस्तान** ने हाल ही में एक **द्विपक्षीय समझौते** के तहत अपने **परमाणु प्रतिष्ठानों(संपति)** की सूची का **आदान-प्रदान** किया।
- यह दोनों पक्षों को एक-दूसरे की **परमाणु सुविधाओं** पर हमला करने से रोकता है।

पृष्ठभूमि

- सूची का आदान-प्रदान परमाणु प्रतिष्ठानों और सुविधाओं के खिलाफ हमले के निषेध पर एक समझौते के प्रावधानों के तहत हुआ।
- यह नई **दिल्ली** और **इस्लामाबाद** में **राजनयिक चैनलों** के माध्यम से एक साथ किया गया था।
- इस समझौते पर **31 दिसंबर, 1988** को **हस्ताक्षर** किए गए और **27 जनवरी, 1991** को यह लागू हुआ।
- यह दोनों देशों को हर **कैलेंडर वर्ष** की **पहली जनवरी** को समझौते के तहत शामिल होने वाले **परमाणु प्रतिष्ठानों** और **सुविधाओं** के बारे में एक-दूसरे को सूचित करने का आदेश देता है।
- यह दोनों देशों के बीच ऐसी सूचियों का लगातार **33वां** आदान-प्रदान है, पहला आदान-प्रदान **1 जनवरी 1992** को हुआ था।

3. अधिक चीनी, नमक, वसा वाले भोजन पर 20-30% स्वास्थ्य टैक्स लगाया जा सकता है - द हिंदू

प्रासंगिकता: भारतीय अर्थव्यवस्था और योजना, संसाधन जुटाने, वृद्धि, विकास और रोजगार से संबंधित मुद्दे।

प्रीलिम्स टेकअवे

- वस्तु एवं सेवा टैक्स (जीएसटी)
- स्वास्थ्य टैक्स

समाचार:

- चीनी, **शुगर स्वीटेंड बेवरेज(SSB)** पर **जीएसटी** के अलावा **20% से 30%** के बीच **स्वास्थ्य टैक्स** लगाने पर विचार किया जा सकता है।
- यह सिफारिश नीति आयोग द्वारा कराए गए एक अध्ययन का नतीजा है, जो **खाद्य उत्पादों** पर **स्वास्थ्य कर** और **चेतावनी लेवल** लगाने के प्रभाव का अध्ययन कर रहा है।

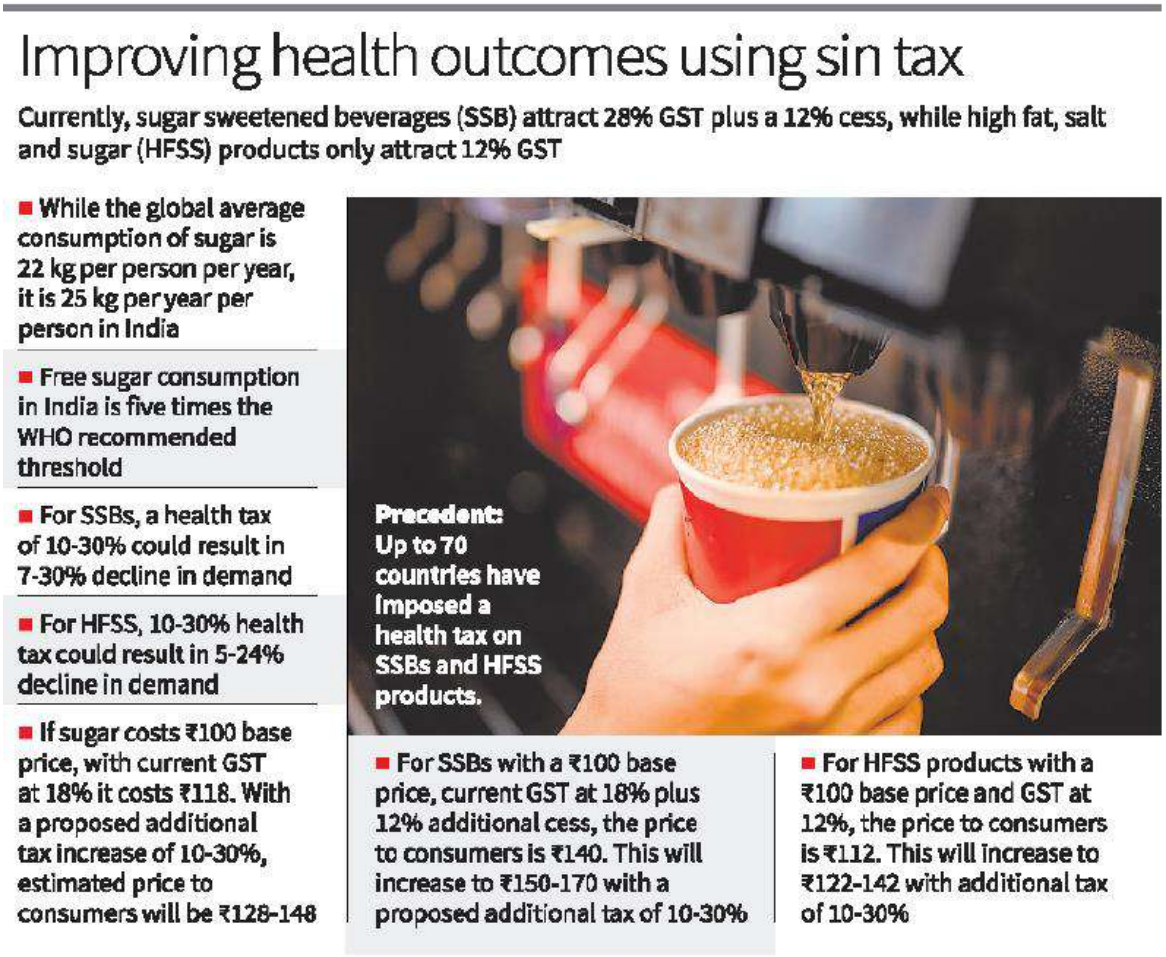

सामान्य अध्ययन III

4. केंद्र सरकार ने ने MSP संबंधी चिंताओं को चिह्नित किया: तेल आयात बढ़ने से कम रिटर्न - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: भारतीय अर्थव्यवस्था और योजना, संसाधन जुटाने, वृद्धि, विकास और रोजगार से संबंधित मुद्दे।

प्रीलिम्स टेकअवे
- विश्व व्यापार संगठन
- MSP

समाचार:
- कैबिनेट ने **18 अक्टूबर, 2023** को विपणन सीजन **वर्ष 2024-25** के लिए **रबी फसलों** के लिए **MSP** में वृद्धि को मंजूरी दे दी।
- RTI दस्तावेजों से फसल विविधीकरण पर उच्च MSP के प्रभाव के संबंध में विभिन्न केंद्रीय मंत्रालयों द्वारा उठाई गई चिंताओं का पता चलता है।

चिंता 1: आयात निर्भरता
- **खाद्य** एवं **सार्वजनि**क वितरण विभाग इस बात पर जोर देता है कि **तिलहनों** के **MSP** से **घरेलू उत्पादन** में वांछित वृद्धि नहीं हुई है।
- **तिलहन उत्पादन** में वृद्धि के अनुमान के बावजूद, **भारत** अभी भी अपनी **खाद्य तेल** की **55% जरूरतों** के लिए आयात पर निर्भर है।
- **विभाग उत्पादन** को **प्रोत्साहित** करने और **अधिक उपज** देने वाली **किस्मों** की ओर बदलाव के लिए तिलहनों के लिए दीर्घकालिक **MSP नीति** और **उच्च MSP** का सुझाव देता है।

चिंता 2: असमान लाभ
- **व्यय विभाग गेहूं खरीद** के **पक्ष** में **झुकाव** को उजागर करता है, जिससे केवल **सीमित संख्या** में **राज्यों** को लाभ होता है।
- नीति आयोग तिलहन और दलहन उत्पादकता बढ़ाने के लिए **14 गैर-मूल्य सिफारिशों** का अनुपालन करने का सुझाव देता है।

चिंता 3: विश्व व्यापार संगठन के दायित्व
- **वाणिज्य विभाग भारत** की **WTO प्रतिबद्धताओं,** विशेष रूप से '**डी-मिनिमिस**' सब्सिडी सीमा के बारे में सावधान करता है।
- भारत द्वारा चावल के लिए **डी-मिनिमिस सब्सिडी** सीमा का उल्लंघन और **MSP-आधारित फसल खरीद** के लिए **पूर्व निर्धारित लक्ष्यों** की आवश्यकता पर जोर दिया गया है।

5. छह साल में 1,117 सीमा चौकियों पर 4G सेवाएं मुहैया कराई जाएंगी: केंद्र - द हिंदू

प्रासंगिकता: सीमावर्ती क्षेत्रों में सुरक्षा चुनौतियाँ और उनका प्रबंधन, आतंकवाद के साथ संगठित अपराध का संबंध।

प्रीलिम्स टेकअवे
- भारत-चीन सीमा सड़क परियोजना
- 4 G

समाचार:
- **केंद्र सरकार** ने **1,100** से अधिक **सीमा चौकियों** पर **4G मोबाइल सेवाओं** के लिए **₹1,545.66 करोड़** आवंटित किए हैं।
- **दूरसंचार विभाग, गृह मंत्रालय** और **भारत संचार निगम लिमिटेड** के बीच **त्रिपक्षीय समझौते** पर हस्ताक्षर किए गए।

मुख्य बिंदु

4G संतृप्ति परियोजना के तहत लद्दाख में प्रगति
- लद्दाख के **379 गांवों** और **बस्तियों** में से **नौ स्थानों** पर **मोबाइल टावर** स्थापित किए गए, **34 स्थानों** पर बुनियादी काम पूरा हो गया है।
- पूर्वी लद्दाख में **वर्ष 2020** में **भारत-चीन गतिरोध** के लिए **धीमी प्रगति** को जिम्मेदार ठहराया गया।

सीमा सड़क परियोजनाएँ और बुनियादी ढाँचा विकास
- चालू वर्ष में चीन सीमा पर **48.03 किमी सड़कों** का निर्माण।
- **चार सीमा चौकियों** और **तीन हेलीपैडों** को जोड़ा जाएगा।

- **गलवान घटना** के बाद **चीन सीमा** पर **32 सड़कों** को मंजूरी और **32 हेलीपैड** का निर्माण/उन्नयन।

भारत-चीन सीमा सड़क परियोजना (ICBR) के चरण

- **चीन सीमा** पर **27 प्राथमिकता** वाली **सड़कों** के लिए **वर्ष 2005** में **ICBR परियोजना** के पहले चरण की शुरुआत।
- आगे बुनियादी ढांचे के विकास के लिए **21 सितंबर, 2020** को **दूसरे चरण** की मंजूरी।

सीमावर्ती ग्राम विकास एवं कनेक्टिविटी

- सीमावर्ती इलाकों में मजबूत **बुनियादी ढांचे** के विकास पर ध्यान केन्द्रित।
- **कल्याणकारी लाभ** प्रदान करने और **सीमावर्ती गांवों** तक **कनेक्टिविटी** में सुधार के प्रयास।
- पहले चरण में **663 गांवों** को कवर करते हुए **19 जिलों** और **46 सीमावर्ती ब्लॉकों** में व्यापक विकास के लिए **वाइब्रेंट विलेजेज कार्यक्रम** की शुरूआत।

6. NARCL के स्ट्रेस्ड खातों के अधिग्रहण में तेजी लाएं, धोखाधड़ी रोकने पर ध्यान केंद्रित करें: वित्त मंत्रालय - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: भारतीय अर्थव्यवस्था और योजना, संसाधन जुटाने, वृद्धि, विकास और रोजगार से संबंधित मुद्दे।

प्रीलिम्स टेकअवे

- नेशनल एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी
- PSB

समाचार:

- **वित्त मंत्रालय ने PSBs** से **नेशनल एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी (NARCL)** द्वारा **स्ट्रेस्ड खातों** के **अधिग्रहण** में तेजी लाने का आग्रह किया है।
- तनावग्रस्त खातों को तेजी से चालू करने की सुविधा के लिए **एनएआरसीएल और बैंकों के बीच नियमित बैठकों पर जोर दिया गया ।**

जमाराशियों का संग्रहण और नवप्रवर्तन

- **वित्त मंत्री** ने **PSB** के लिए **जमा राशि जुटाने** के महत्व पर जोर दिया।
- जमा आधार को बढ़ाने, बढ़े हुए **ऋण विस्तार** को सक्षम करने के लिए नवाचार और **आकर्षक जमा योजनाओं** को प्रोत्साहित किया गया

जिम्मेदार ऋण प्रथाएँ

- वित्त मंत्री ने उधारदाताओं के **वित्तीय स्वास्थ्य** और **अर्थव्यवस्था** में **ऋण प्रवाह** पर जानबूझकर चूक के प्रभाव पर प्रकाश डाला।
- PSB से जिम्मेदार ऋण देने की प्रथाओं को अपनाने, ऋण वितरण से पहले **उचित परिश्रम बढ़ाने** और **जानबूझकर डिफ़ॉल्ट** के मामलों में **त्वरित कानूनी कार्रवाई** करने का आग्रह किया।

कानूनी कार्रवाई और निष्पादन समीक्षाएँ

- डिफॉल्टरों के खिलाफ कानूनी मामलों में बेहतर परिणाम सुनिश्चित करने के लिए **PSB का प्रतिनिधित्व** करने वाले **वकीलों** के **प्रदर्शन** की **समीक्षा** के लिए कॉल करें।
- **धोखाधड़ी** और **जानबूझकर** चूक करने वाले मिलीभगत करने वाले **अधिकारियों** के खिलाफ **सख्त प्रशासनिक कार्रवाई** करने के निर्देश।

7. भारत ने जलवायु परिवर्तन से निपटने और वन्यजीव संरक्षण को बढ़ाने हेतु सार्थक कार्रवाई को बढ़ावा दिया - द हिंदू

प्रासंगिकता: संरक्षण, पर्यावरण प्रदूषण और गिरावट

प्रीलिम्स टेकअवे

- जैविक विविधता अधिनियम
- वन (संरक्षण) संशोधन अधिनियम
- अंतर्राष्ट्रीय बिग कैट एलायंस (IBCA)
- हरित ऋण कार्यक्रम

समाचार:

- वर्ष 2023 में, **भारत** ने **जलवायु परिवर्तन शमन**, **वन्यजीव संरक्षण** और **जैव विविधता कानूनों** में महत्वपूर्ण प्रगति की।
- हालाँकि, चुनौतियाँ और आलोचनाएँ सामने आईं, विशेष रूप से **चीता स्थानांतरण परियोजना** और **वन** और **जैव विविधता कानूनों** में बदलाव के संबंध में।

जलवायु परिवर्तन पहल

- **COP33 प्रस्ताव**: भारत ने **वर्ष 2028** में **संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन (COP33)** की मेजबानी करने का प्रस्ताव रखा और **जलवायु चुनौतियों** से निपटने के लिए कार्बन सिंक बनाने पर केंद्रित **'ग्रीन क्रेडिट पहल'** शुरू की।
- **दुबई जलवायु शिखर सम्मेलन:** भारत सहित विकासशील देशों ने अमीर देशों से **वर्ष 2050** तक **शुद्ध शून्य** के बजाय **नकारात्मक कार्बन उत्सर्जन** हासिल करने का आग्रह किया।
- **प्रतिव्यक्ति उत्सर्जन:** वर्ष 2022 में प्रति व्यक्ति **CO_2 उत्सर्जन** में **5%** की वृद्धि के बावजूद, भारत का स्तर वैश्विक औसत के आधे से भी कम रहा।
- **राष्ट्रीय संचार:** भारत ने UNFCCC को अपना **तीसरा राष्ट्रीय सं**चार प्रस्तुत किया, जिसमें **वर्ष 2005** और **वर्ष 2019** के बीच **सकल घरेलू उत्पाद** उत्सर्जन तीव्रता में **33%** की कमी पर प्रकाश डाला गया।

वन्यजीव संरक्षण

- **बाघों की आबादी:** आंकड़ों से पता चला कि बाघों की आबादी में 6% वार्षिक वृद्धि हुई है, जो **वर्ष 2**018 में **2,967** से बढ़कर **वर्ष 2022** में **3,682** हो गई।
- **चीता स्थानांतरण परियोजना**
  - छह आयातित चीतों की मौत पर **चीता संरक्षण परियोजना** को आलोचना का सामना करना पड़ा।
  - चुनौतियों में शीतकालीन कोटों का **अप्रत्याशित विकास** और उसके बाद की **स्वास्थ्य समस्याएं** शामिल थीं।
- **इंटरनेशनल बिग कैट एलायंस (IBCA)**
  - अप्रैल में लॉन्च किए गए **IBCA** का लक्ष्य दुनिया की **सात प्रमुख बड़ी बिल्लियों** का संरक्षण करना है।
  - इसमें बाघ, शेर, हिम तेंदुआ, तेंदुआ, जगुआर, प्यूमा और चीता शामिल हैं।

वन और जैव विविधता कानूनों में बदलाव

- **वन (संरक्षण) संशोधन अधिनियम**
  - वन (संरक्षण) अधिनियम की प्रयोज्यता को प्रभावित करते हुए, भूमि की कुछ श्रेणियों को छूट देने के लिए संशोधनों की आलोचना हुई।
  - संशोधित अधिनियम में छूट दी गयी है-
    - सुरक्षा संबंधी बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए **10 हेक्टेयर** तक की वन भूमि
    - "राष्ट्रीय महत्व की रणनीतिक और सुरक्षा संबंधी परियोजनाओं" के लिए **अंतरराष्ट्रीय सीमाओं, नियंत्रण रेखा (LoC)** और **वास्तविक नियंत्रण रेखा (LAC**) के **100 किमी** के भीतर आने वाला क्षेत्र।
  - आदिवासी और पारंपरिक वन-निवास समुदायों पर संभावित प्रभावों के बारे में चिंताएँ व्यक्त की गईं।
- **जैविक विविधता अधिनियम**
  - संशोधनों का उद्देश्य बढ़ते **औषधीय पौधों** को बढ़ावा देना, **पारंपरिक चिकित्सा** का समर्थन करना, **अनुसंधान, पेटेंट** और **विदेशी निवेश** को सुविधाजनक बनाना है।
- हालाँकि, **लाभ-साझाकरण नियमों** में बदलाव के बारे में चिंताएँ व्यक्त की गईं, जिसमें उल्लंघन के लिए जेल की शर्तों की जगह जुर्माना लगाया गया।

एडिटोरियल, जिस्ट, एक्सप्लेनेर

8. विश्व मौसम विज्ञान संगठन की वैश्विक जलवायु रिपोर्ट - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: संरक्षण, पर्यावरण प्रदूषण और गिरावट

प्रसंग:

- **वर्ष 2023** में, वैश्विक **तापमान खतरनाक** रूप से **पेरिस समझौते** में निर्धारित **1.5 डिग्री सेल्सियस** की **सीमा** के करीब पहुँच गया।
- नवंबर तक **पूर्व-औद्योगिक स्तर** से औसतन **1.46 डिग्री सेल्सियस** ऊपर, दुनिया में रिकॉर्ड तोड़ तापमान देखा गया।

WMO की चिंताजनक पुष्टि और भविष्य के अनुमान

- विश्व मौसम विज्ञान संगठन (WMO) की वैश्विक जलवायु रिपोर्ट की अनंतिम स्थिति पुष्टि करती है कि वर्ष 2023 रिकॉर्ड पर सबसे गर्म वर्ष है।
- WMO ने यह भी अनुमान लगाया है कि 2024 में ग्रह और अधिक गर्म हो जाएगा।
- रिपोर्ट में इसके लिए वार्मिंग अल नीनो घटना को जिम्मेदार ठहराया गया हे, जिसमें इसके चरम के बाद तापमान पर इसके संभावित प्रभाव पर जोर दिया गया हे।

आगामी महत्वपूर्ण सात वर्ष

- इस बात पर बहस छिड़ी हुई है कि क्या दुनिया जलवायु परिवर्तन के ऐसे बिंदु पर पहुंच गई है जहां से वापसी संभव नहीं है।
- हालाँकि, यह स्पष्ट है कि अगले सात साल उत्सर्जन कम करने में महत्वपूर्ण होंगे।
- अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी का अनुमान है कि वर्ष 2025 तक वैश्विक बिजली का 35% से अधिक नवीकरणीय ऊर्जा से प्राप्त होगा, जो स्वच्छ ऊर्जा की ओर बदलाव की आशा प्रदान करता है।

दीर्घकालिक ऊर्जा भंडारण (LDES) चुनौतियां

- हालाँकि नवीकरणीय ऊर्जा में प्रगति हुई है, चुनौती गैर-उत्पादक अवधि के दौरान इसे कुशलतापूर्वक संग्रहीत करने में है।
- COP21 में दीर्घकालिक ऊर्जा भंडारण (LDES) परिषद के निर्माण का उद्देश्य इसे संबोधित करना था।
- हालाँकि, लागत-प्रतिस्पर्धी समाधानों का बाज़ार अभी भी विकसित हो रहा है, जिससे LDES प्रौद्योगिकियों को व्यापक रूप से अपनाने में बाधा आ रही है।

बढ़ते तापमान के बीच लचीलेपन का आह्वान

- नीति निर्माताओं को उत्सर्जन में कमी के साथ-साथ लचीलापन-निर्माण उपायों को प्राथमिकता देने की आवश्यकता है।
- सुझाए गए उपायों में समुद्री दीवारें, बेहतर मौसम चेतावनी प्रणाली, शहरी जल निकासी व्यवस्था, सिंचाई समाधान ओर जलवायु-लचीला फसल विकल्प शामिल हैं।
- विकासात्मक आवश्यकताओं के साथ भेद्यता शमन को संतुलित करना एक महत्वपूर्ण चुनौती बनी हुई है।

दोहरी चुनौती

- जैसे-जैसे वैश्विक तापमान में वृद्धि जारी है, नीति निर्माताओं को विकासात्मक आवश्यकताओं की उपेक्षा किए बिना कमजोरियों को संबोधित करने के जटिल कार्य का सामना करना पड़ रहा है।
- गर्म ग्रह द्वारा उत्पन्न चुनौतियों से निपटने के साथ-साथ आबादी को गरीबी से बाहर निकालने के लिए इस संतुलन को बनाए रखना आवश्यक हो जाता है।

9. ऑन द मून, एंड एक्सप्लोरेशन न्यू फ्रंटियर्स" - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: आईटी, अंतरिक्ष, कंप्यूटर, रोबोटिक्स, नैनो-प्रौद्योगिकी, जैव-प्रौद्योगिकी और बौद्धिक संपदा अधिकारों से संबंधित मुद्दों के क्षेत्र में जागरूकता।

प्रसंग:

- वर्ष 2023 में, इसरो में एक **परिवर्तनकारी** बदलाव आया, जो **उपग्रह परिनियोजन** से एक व्यापक **ग्रह अन्वेषण** इकाई बन गया।
- इस वर्ष इसरो के लिए एक महत्वपूर्ण पुनरुत्थान रहा, जिसमें **चंद्रयान-3** और **आदित्य-L1** सहित सात सफल मिशनों को अंजाम दिया गया।

इसरो के मिशनों में मील के पत्थर

- भारत **ने चंद्रयान-3** की **सफल लैंडिंग** हुई , जो वर्ष 2019 में **चंद्रयान-2** को मिली असफलता से मुक्ति है।
- इसने इसरो की क्षमताओं को प्रदर्शित किया, विशेष रूप से एक आश्चर्यजनक **चंद्र "हॉप"** प्रयोग के माध्यम से, उन्नत मिशनों के लिए अपनी तत्परता का प्रदर्शन किया।
- इसरो ने महत्वाकांक्षी भविष्य के प्रयासों की भी रूपरेखा तैयार की, जिसमें **वर्ष 2025** के लिए **पुनर्निर्धारित गगनयान मिशन** भी शामिल है।

भविष्य के इसरो मिशन और भागीदारियाँ

- चंद्रयान-4 का चंद्रमा नमूना वापस
- वर्ष 2028 तक भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन

- वर्ष 2040 तक चंद्रमा पर मानव लैंडिंग

वैश्विक सहयोग

- भारत के साथ अंतर्राष्ट्रीय साझेदारियाँ विकसित हुईं
  - ग्रहों की खोज के लिए अमेरिका के नेतृत्व वाले **आर्टेमिस समझौते** में शामिल होना
  - अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए एक **संयुक्त अंतरिक्ष मिशन** पर **नासा** के **साथ सहयोग** करना
- भारत और अमेरिका ने **वाणिज्यिक अंतरिक्ष सहयोग** और **ग्रह रक्षा** के लिए एक कार्य समूह की स्थापना की।

नेशनल रिसर्च फाउंडेशन (NRF)

- सरकार ने **वर्ष 2023** में **नेशनल रिसर्च फाउंडेशन (NRF)** को मंजूरी दे दी।
- उद्देश्य: अगले **पांच वर्षों** में **50,000 करोड़ रुपये** के **बजट** के साथ **अनुसंधान गतिविधियों** को **वित्त पोषित** करना और बढ़ावा देना।
- **यूएस नेशनल साइंस फाउंडेशन** पर आधारित, NRF सामाजिक विज्ञान, कला और मानविकी के साथ-साथ प्राकृतिक विज्ञान और इंजीनियरिंग पर केंद्रित है।
- इसका उद्देश्य **अनुसंधान संकेतकों** में असमानताओं को संबोधित करना शामिल है
  - वैज्ञानिक अनुसंधान पर भारत का कम सकल घरेलू उत्पाद व्यय, अनुसंधान में लिंग प्रतिनिधित्व और प्रति मिलियन जनसंख्या पर शोधकर्ता।
- **फाउंडेशन सामाजिक** चुनौतियों का समाधान खोजने के लिए **शिक्षा** और **अनुसंधान** के मिलन पर जोर देता है।

वैज्ञानिक अनुसंधान में प्रगति

- **राष्ट्रीय क्वांटम मिशन**
  - भारत ने **6,000 करोड़ रुपये** का **राष्ट्रीय क्वांटम मिशन** शुरू किया, जिसका **लक्ष्य आठ वर्षों** में **1,000-क्यूबिट क्वांटम कंप्यूटर** का विकास करना है।
- **LIGO-इंडिया प्रोजेक्ट**
  - भारत ने महाराष्ट्र में गुरुत्वाकर्षण तरंग वेधशाला के लिए **LIGO-इंडिया परियोजना** को मंजूरी दी।
- **अंटार्कटिका और आर्कटिक अनुसंधान**
  - भारत ने अंटार्कटिका में एक नया **अनुसंधान स्टेशन मैत्री-II** स्थापित करने की घोषणा की।
  - इसने ध्रुवीय क्षेत्रों में अपनी **वैज्ञानिक उपस्थिति को** मजबूत करते हुए **आर्कटिक** के लिए पहला **शीतकालीन अभियान** भी शुरू किया।
- **राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार**
  - सरकार ने **शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार** को बहाल करते हुए **वैज्ञानिकों** के लिए **राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार** नाम से **नए राष्ट्रीय पुरस्कार** शुरू किए।

2024 आउटलुक

- वर्ष 2024 में **XPoSat** सहित **हाई-प्रोफाइल** लॉन्च की एक श्रृंखला की उम्मीद करते हुए, यह वर्ष भारत के **वैज्ञानिक** और **अंतरिक्ष अन्वेषण** प्रयासों के लिए आशाजनक है।

10. भारत, कोरिया गणराज्य के बीच रक्षा सहयोग - द हिंदू

प्रासंगिकता: द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक समूह और समझौते जिनमें भारत शामिल है और/या भारत के हितों को प्रभावित करते हैं।

प्रसंग:

- **भारत के थल सेनाध्यक्ष की** हाल ही में **कोरिया गणराज्य** की यात्रा **भारत-कोरिया रक्षा संबंधों** में एक महत्वपूर्ण क्षण साबित हुई ।
- जहां इस यात्रा ने राजनयिक संबंधों को मजबूत किया, वहीं इसने चुनौतियों का भी खुलासा किया, जिससे उनके **रक्षा सहयोग** में **जटिलताओं** और **संभावनाओं** की गहन जांच का आग्रह किया गया।

रक्षा सहयोग परिदृश्य में चुनौतियाँ

- **एक व्यापक रक्षा ढांचे का अभाव** जो द्विपक्षीय सहयोग का मार्गदर्शन और संरचना कर सके, द्विपक्षीय जुड़ाव से परे एक आदर्श बदलाव की मांग करता है।
- **भारत की क्षेत्रीय भूमिका की धारणा**
  - क्षेत्र में भारत की भूमिका का पुनर्मूल्यांकन करने में कोरिया का प्रतिरोध अधिक सार्थक साझेदारी में बाधा डालता है।
  - गहन जुड़ाव को बढ़ावा देने के लिए शीत युद्ध की मानसिकता पर काबू पाना महत्वपूर्ण है।
- **हथियार अधिग्रहण पर अधिक ध्यान**
  - आवश्यक होते हुए भी, दोनों देशों द्वारा हथियार अधिग्रहण और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण पर ध्यान को स्थायी साझेदारी के लिए व्यापक रणनीतिक विचारों के साथ संतुलित करने की आवश्यकता है।
- **आर्म्स लॉबीज़ से संभावित बाधाएँ**
  - भारत और कोरिया में शक्तिशाली हथियार लॉबी चुनौतियां खड़ी कर सकती हैं।
  - यह अल्पकालिक लाभ पर दीर्घकालिक रणनीतिक लक्ष्यों को प्राथमिकता देने की आवश्यकता पर जोर देता है।
- **गठबंधन की गतिशीलता**
  - उत्तर कोरिया, चीन और रूस का उभरता गठबंधन एक नई चुनौती पेश करता है।
  - इसके लिए प्रत्येक पक्ष की रणनीतिक अनिवार्यताओं की सूक्ष्म समझ की आवश्यकता है।

पारस्परिक विकास के अवसर

- **तकनीकी सहयोग**
  - तकनीकी क्षमताओं का लाभ उठाते हुए, भारत और कोरिया उन्नत रक्षा प्रणालियाँ विकसित करने में सहयोग कर सकते हैं।
  - रक्षा प्रौद्योगिकी और उद्योग साझेदारी पर ध्यान दोनों देशों को नवाचार में सबसे आगे ले जा सकता है।
- **नये युग के खतरों का मुकाबला करना**
  - उभरते खतरों के मद्देनजर अंतरिक्ष युद्ध, सूचना युद्ध और साइबर सुरक्षा में सहयोग आवश्यक है।
  - कोरिया की उन्नत तकनीकी क्षमताएं महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे और जानकारी को सुरक्षित करने में संयुक्त प्रयासों के अवसर प्रदान करती हैं।
- **समुद्री सुरक्षा सहयोग**
  - समुद्री सुरक्षा में संयुक्त गश्त और सूचना साझा करना हिंद महासागर में दोनों देशों के हितों के अनुरूप है, सहयोग को बढ़ावा देता है और क्षेत्रीय स्थिरता सुनिश्चित करता है।
- **शांति स्थापना और आतंकवाद विरोधी सहयोग**
  - अपनी संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा विशेषज्ञता का उपयोग करते हुए, भारत और कोरिया शांतिरक्षा अभियानों में सहयोग कर सकते हैं।
- **मानवीय सहायता एवं आपदा राहत (HADR)**
  - संयुक्त अभ्यास और सर्वोत्तम अभ्यास साझाकरण सहित HADR में सहयोगात्मक प्रयास, क्षेत्रीय और वैश्विक स्थिरता के लिए संयुक्त प्रतिबद्धता पर जोर देते हैं।
- **अंतरसंचालनीयता और संयुक्त व्यायाम**
  - संयुक्त सेना अभ्यास और अंतरसंचालनीयता बढ़ाने से दोनों सेनाओं की क्षमताएं मजबूत होंगी, जिससे विभिन्न परिदृश्यों में प्रभावी सहयोग सुनिश्चित होगा।

आगे की राह

- जबकि भारत के थल सेनाध्यक्ष की यात्रा ने **भारत-कोरिया रक्षा सहयोग** की ज्वाला को फिर से जगाया, आगे बढ़ने के लिए रणनीतिक और संतुलित दृष्टिकोण की आवश्यकता है।
- मजबूत और स्थायी रक्षा सहयोग को खोलने के लिए उभरते **भू-राजनीतिक परिदृश्य** के अनुकूल चुनौतियों से निपटना आवश्यक है।
- एक संयुक्त मोर्चा दोनों देशों को **भविष्य की जटिलताओं** से निपटने के लिए तैयार करता है, एक साझेदारी को बढ़ावा देता है जो **भारत-प्रशांत क्षेत्र** में **शांति, स्थिरता** और **समृद्धि** में योगदान देता है।

11. फ़ाइनेंशियल इंटेलिजेंस यूनिट इंडिया द्वारा आभासी परिसंपत्ति प्रदाताओं के विरुद्ध कार्रवाई - द हिंदू

प्रासंगिकता: अर्थव्यवस्था

प्रसंग:

- **फाइनेंशियल इंटेलिजेंस यूनिट इंडिया (FIU IND)** ने हाल ही में **नौ ऑफशोर वर्चुअल डिजिटल एसेट सर्विस प्रोवाइडर्स (VDAs)** को कारण बताओ नोटिस जारी किया है।
- **कारण:** धन शोधन निवारण अधिनियम, 2002 (PMLA) के कथित गैर-अनुपालन के लिए।

गैर-अनुपालन का आधार

- मार्च 2023 में, भारत ने VDA को PMLA का अनुपालन करने, ग्राहकों की पहचान सत्यापित करने और वित्तीय स्थिति के रिकॉर्ड बनाए रखने के लिए अनिवार्य किया।
- इन संस्थाओं का पंजीकरण न होने से वे भारतीय उपयोगकर्ताओं को सेवा देने के बावजूद गैर-अनुपालक बन गईं।
- नियामक उद्देश्य वित्तीय लेनदेन की निगरानी और ट्रैक करना, मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकी वित्तपोषण पर अंकुश लगाना है।
- KYC जनादेश का पालन करने से VDA को क्रिप्टो परिसंपत्तियों में गुमनामी और संभावित गैरकानूनी उपयोग के बारे में नियामक चिंताओं को संबोधित करने में लाभ मिलता है।

वैश्विक नियामक दृष्टिकोण

- **दुबई वर्चुअल एसेट्स रेगुलेटरी अथॉरिटी (VARA)**
  - दुबई की नियामक व्यवस्था में लाइसेंसिंग ढांचा, उपभोक्ता संरक्षण को बढ़ावा देना और अवैध वित्त को रोकना शामिल है।
  - अनिवार्य लाइसेंसों को AML-CFT कानूनों का अनुपालन करने की बाध्यता के साथ, दी जाने वाली सेवाओं के आधार पर वर्गीकृत किया जाता है।
- **क्रिप्टो-एसेट्स रेगुलेशन (MiCA) में यूरोपीय संघ (EU) बाज़ार**
  - MiCA का लक्ष्य पारदर्शिता, प्रकटीकरण, प्राधिकरण और पर्यवेक्षण पर ध्यान केंद्रित करते हुए क्रिप्टो-परिसंपत्तियों के लिए समान यूरोपीय संघ बाजार नियम स्थापित करना है।
  - यह बाजार में हेरफेर, मनी लॉन्ड्रिंग, आतंकवादी वित्तपोषण और उपभोक्ता संरक्षण को संबोधित करता है।
  - सेवा प्रदाताओं को प्राधिकरण की आवश्यकता होती है, और महत्वपूर्ण प्रदाताओं को ऊर्जा खपत का खुलासा करना होगा।
- **संयुक्त राज्य अमेरिका**
  - अमेरिका में व्यापक राष्ट्रव्यापी नियामक ढांचे का अभाव है।
  - कुछ डिजिटल संपत्तियां और गतिविधियां बैंक गोपनीयता अधिनियम और वर्ष 2020 के एंटी-मनी लॉन्ड्रिंग अधिनियम जैसे मौजूदा नियमों के अंतर्गत आती हैं।

VDA विनियमन में विचार और दृष्टिकोण

- ब्यूरो फॉर इंटरनेशनल सेटलमेंट्स (BIS) ने क्रिप्टो परिसंपत्तियों को विनियमित करने के लिए तीन उच्च-स्तरीय नीति विकल्पों की पहचान की है, जैसे कि पूर्ण प्रतिबंध, रोकथाम और विनियमन।
- **पूर्ण प्रतिबंध:** क्रिप्टो बाजारों की छद्म-गुमनाम प्रकृति के कारण इसे लागू नहीं किया जा सकता है, जिससे पारदर्शिता कम हो जाएगी।
- **रोकथाम**
  - इसमें क्रिप्टो बाजारों और पारंपरिक वित्तीय प्रणालियों के बीच प्रवाह को नियंत्रित करना शामिल है।
  - हालाँकि, यह क्रिप्टो बाजारों में कमजोरियों को संबोधित नहीं कर सकता है और वित्तीय स्थिरता जोखिम पैदा कर सकता है।
- **विनियमन**
  - VDA के विनियमन और पर्यवेक्षण के लाभ संबद्ध लागतों से अधिक होने चाहिए।
  - उभरती बाजार अर्थव्यवस्थाओं के लिए मुख्य विचारों में नियामक प्राधिकरण को परिभाषित करना, विनियमन का दायरा निर्धारित करना और डेटा अंतराल को संबोधित करना शामिल है।

निष्कर्ष

- **आभासी संपत्तियों** को **विनियमित** करना विभिन्न दृष्टिकोणों के साथ एक **वैश्विक चुनौती** है।
- विनियमन के विचारों में **लाभ** और **लागत** को संतुलित करना, **प्रौद्योगिकी को समझना** और **प्रभावी पर्यवेक्षण** सुनिश्चित करना शामिल है।
- भारत की हालिया कार्रवाइयां तेजी से विकसित हो रहे **आभासी संपत्ति परिदृश्य** में नियामक अनुपालन के महत्व को रेखांकित करती हैं।

12.इसरो का एक्सपोसैट(XPoSat)मिशन - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: आईटी, अंतरिक्ष, कंप्यूटर, रोबोटिक्स, नैनो-प्रौद्योगिकी, जैव-प्रौद्योगिकी और बौद्धिक संपदा अधिकारों से संबंधित मुद्दों के क्षेत्र में जागरूकता।

प्रसंग:

- **एक्स-रे पोलारिमीटर सैटेलाइट (XPoSat)** को **650** किमी की सटीक **गोलाकार कक्षा** में सफलतापूर्वक लॉन्च करके एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है ।

एक्सपोसैट(XPoSat)

- यह दुनिया का **दूसरा उपग्रह-आधारित मिशन** है जो पूरी तरह से **एक्स-रे पोलारिमेट्री माप** बनाने के लिए समर्पित है।
- इसे **पृथ्वी की निचली कक्षा** (~650 किमी, ~6 डिग्री का कम झुकाव) से अवलोकन के लिए तैनात किया गया है।
- इसे **विशिष्ट खगोलीय घटनाओं** के दौरान उत्सर्जित **ध्रुवीकृत एक्स-रे** का निरीक्षण करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जैसे कि ग्रहण अवधि के दौरान जब **मैग्नेटर** या **न्यूट्रॉन तारे** पृथ्वी की छाया से गुजरते हैं।
- यह मध्यम ऊर्जा बैंड (8-30 केवी) में **एक्स-रे ध्रुवीकरण माप** पेश करता है।
- यह अज्ञात क्षेत्र **मैग्नेटर, ब्लैक होल** और **न्यूट्रॉन तारों** जैसे खगोलीय पिंडों के बारे में हमारी समझ को बढ़ाने का काम करता है।

प्रमुख घटक और उद्देश्य

- एक्सपोसैट(XPoSat) में **दो पेलोड** हैं, जैसे **भारतीय एक्स-रे पोलारिमीटर (POLIX)** और **एक्स-रे स्पेक्ट्रोस्कोपी** और **टाइमिंग (XSPECT)**।

- इसे **रमन रिसर्च इंस्टीट्यूट** और **बेंगलुरु** में **यूआर राव सैटेलाइट सेंटर** द्वारा विकसित किया गया।
- इन पेलोड का उद्देश्य **आकाशीय स्रोतों** से **एक्स-रे के ध्रुवीकरण** का विश्लेषण करना है।
- अनुमानित मिशन जीवन लगभग **पांच वर्ष** है।

पोलिक्स(POLIX) और एक्सस्पेक्ट(XSPECT) पेलोड

- **पोलिक्स(POLIX)**
  - मध्यम एक्स-रे ऊर्जा बैंड (8-30 केवी) में संचालित होने वाला **दुनिया का पहला उपकरण** है ।
  - इसमें विभिन्न खगोलीय स्रोतों का निरीक्षण करने के लिए एक **कोलिमेटर** और चार **एक्स-रे आनुपातिक काउंटर डिटेक्टर** शामिल हैं।
- **एक्सस्पेक्ट(XSPECT)**
  - सॉफ्ट एक्स-रे एनर्जी बैंड (0.8-15 केवी) में **तेज़ टाइमिंग** और **उच्च स्पेक्ट्रोस्कोपिक रिज़ॉल्यूशन** के लिए नियोजित किया गया ।
  - यह पेलोड एक्स-रे पल्सर, ब्लैक होल बाइनरी, कम-चुंबकीय क्षेत्र न्यूट्रॉन तारे, सक्रिय गैलेक्टिक नाभिक और मैग्नेटर जैसे स्रोतों को लक्षित करता है।

वैश्विक संदर्भ

- वैश्विक स्तर पर अन्य **एक्स-रे पोलारिमेट्री मिशनों** की तुलना में**, एक्सपोसैट(XPoSat)** अपने विस्तारित **अवलोकन ऊर्जा** बैंड के साथ एक अद्वितीय योगदान प्रदान करता है।
  - यह नासा के इमेजिंग एक्स-रे पोलारिमेट्री एक्सप्लोरर (IXPE) जैसे प्रयासों का पूरक है।
- जबकि **एक्स-रे पोलारिमेट्री मिशन** विश्व स्तर पर सीमित हो गए हैं, लागत-प्रतिस्पर्धी समाधानों के लिए बाजार का विकास अभी भी प्रगति पर है।

भविष्य की संभावनाओं

- **एक्सपोसैट(XPoSat)** की सफलता भविष्य के मिशनों के लिए **संवेदनशील** और **सटीक उपकरणों** की आवश्यकता पर बल देते हुए, क्षेत्र में आगे के **तकनीकी विकास** के लिए **मंच** तैयार करती है।

Mentorship India

फैक्ट फटाफट

1. गैरकानूनी गतिविधियाँ (रोकथाम) अधिनियम (UAPA)

- केंद्रीय गृह मंत्रालय ने बब्बर खालसा इंटरनेशनल (BKI) के कनाडा स्थित सदस्य लखबीर सिंह लांडा को गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (UAPA) की धारा 35 के तहत "व्यक्तिगत आतंकवादी" के रूप में नामित किया है।
- वर्ष 1967 में पारित UAPA का उद्देश्य भारत में गैरकानूनी गतिविधियों वाले संगठनों की प्रभावी रोकथाम करना है।
  - गैरकानूनी गतिविधि से तात्पर्य किसी व्यक्ति या संघ द्वारा भारत की क्षेत्रीय अखंडता और संप्रभुता को बाधित करने के इरादे से की गई किसी भी कार्रवाई से है।
- अधिनियम केंद्र सरकार को पूर्ण शक्ति प्रदान करता है, जिसके माध्यम से यदि केंद्र किसी गतिविधि को गैरकानूनी मानता है तो वह आधिकारिक राजपत्र के माध्यम से इसे घोषित कर सकता है।
- UAPA के तहत भारतीय और विदेशी दोनों नागरिकों पर आरोप लगाए जा सकते हैं।
- वर्ष 2004 के संशोधन में आतंकवादी गतिविधियों के लिए संगठनों पर प्रतिबंध लगाने के लिए अपराधों की सूची में "आतंकवादी अधिनियम" जोड़ा गया, जिसके तहत 34 संगठनों पर प्रतिबंध लगाया गया था।
- संसद ने अधिनियम में दिए गए कुछ आधारों पर व्यक्तियों को आतंकवादी के रूप में नामित करने के लिए गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2019 को भी मंजूरी दे दी।
- अधिनियम राष्ट्रीय जांच एजेंसी (NIA) के महानिदेशक को उक्त एजेंसी द्वारा मामले की जांच किए जाने पर संपत्ति की जब्ती या कुर्की की मंजूरी देने का अधिकार देता है।
- यह अधिनियम एनआईए के इंस्पेक्टर या उससे ऊपर रैंक के अधिकारियों को राज्य में डीएसपी या एसीपी या उससे ऊपर रैंक के अधिकारी द्वारा किए गए आतंकवाद के मामलों के अलावा आतंकवाद के मामलों की जांच करने का अधिकार देता है।

2. 16वाँ वित्त आयोग

- नीति आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष अरविंद पनगढ़िया को केंद्र सरकार ने 16वें वित्त आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया है।
- वित्त आयोग का गठन संविधान के अनुच्छेद 280 के तहत राष्ट्रपति द्वारा किया जाता है।
- वित्त आयोग की निम्न सिफ़ारिशें शामिल होंगी -
  - संघ और राज्यों के बीच शुद्ध कर आय का वितरण
  - राज्यों के बीच आवंटन
  - भारत की संचित निधि से सहायता अनुदान के सिद्धांत
  - पंचायतों और नगर पालिकाओं के लिए राज्य समेकित निधि बढ़ाने के उपाय।
- आयोग को आपदा प्रबंधन पहल के वित्तपोषण के लिए वर्तमान व्यवस्था की समीक्षा करने का काम सौंपा गया है।
- इसमें आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 के तहत गठित निधि का आकलन करना और प्रासंगिक सिफारिशें करना शामिल है।
- उम्मीद है कि वित्त आयोग 1 अप्रैल, 2026 से पांच साल की अवधि को कवर करते हुए 31 अक्टूबर, 2025 तक अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा।
- इस अवधि के दौरान सिफ़ारिशें राजकोषीय नीतियों, संसाधन आवंटन और आपदा प्रतिक्रिया वित्तपोषण को आकार देंगी।

3. राष्ट्रीय ट्रांजिट पास प्रणाली

- हाल ही में, केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री ने पूरे भारत में नेशनल ट्रांजिट पास सिस्टम (NTPS) लॉन्च किया।
- उद्देश्य: देश भर में लकड़ी, बांस और अन्य वन उपज के निर्बाध पारगमन को सुविधाजनक बनाना।
- NTPS की कल्पना "वन नेशन-वन पास" व्यवस्था के रूप में की गई है, जो पूरे देश में निर्बाध पारगमन को सक्षम बनाएगी।
  - वर्तमान में, राज्य विशिष्ट पारगमन नियमों के आधार पर लकड़ी और वन उपज के परिवहन के लिए पारगमन परमिट जारी किए जाते हैं।

- यह निर्बाध पारगमन परमिट प्रदान करता है, निजी भूमि, सरकारी स्वामित्व वाले वन और निजी डिपो जैसे विभिन्न स्रोतों से प्राप्त लकड़ी, बांस और अन्य वन उपज के अंतर-राज्य और अंतर-राज्य परिवहन दोनों के लिए रिकॉर्ड का प्रबंधन करता है।
- NTPS के तहत उत्पन्न QR कोडित पारगमन परमिट परमिट की वैधता को सत्यापित करने और निर्बाध पारगमन की अनुमति देने के लिए विभिन्न राज्यों में चेक गेट की अनुमति देगा।
- इसे उपयोगकर्ता की सुविधा के लिए डिज़ाइन किया गया है, इसमें आसान पंजीकरण और परमिट अनुप्रयोगों के लिए डेस्कटॉप और मोबाइल एप्लिकेशन शामिल हैं।
- पारगमन परमिट उन वृक्ष प्रजातियों के लिए जारी किए जाएंगे जो विनियमित हैं, जबकि उपयोगकर्ता छूट प्राप्त प्रजातियों के लिए स्वयं अनापत्ति प्रमाण पत्र तैयार कर सकते हैं।
- नोडल मंत्रालय: पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय

4. भारत का पहला पूर्णतः कन्या सैनिक स्कूल

- रक्षा मंत्री ने हाल ही में उत्तर प्रदेश के वृन्दावन में भारत के पहले पूर्ण बालिका सैनिक स्कूल का उद्घाटन किया।
- संविद गुरुकुलम गर्ल्स सैनिक स्कूल नामक इस संस्थान को महिला सशक्तिकरण के लिए एक ऐतिहासिक क्षण माना जाता है।
- उद्देश्य: गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और कैरियर के अवसर प्रदान करना।
- स्कूल लगभग 870 छात्रों को समायोजित करता है और CBSE संबद्धता के तहत संचालित होता है।
- प्रशिक्षण पूर्व सैनिकों द्वारा आयोजित किया जाएगा, जिसमें कुल 120 सीटें उपलब्ध हैं।
- यह कदम राष्ट्रीय सुरक्षा में योगदान देने के उनके अधिकार को मान्यता देते हुए महिलाओं को सशस्त्र बलों में एकीकृत करने की व्यापक दृष्टि को दर्शाता है।
- यह स्कूल राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में गैर सरकारी संगठनों, निजी संस्थाओं और राज्य सरकार के स्कूलों के सहयोग से 100 नए सैनिक स्कूल खोलने की पहल का एक हिस्सा है।
- रक्षा मंत्रालय ने वर्ष 2019 में वर्ष 2021-22 शैक्षणिक सत्र से सैनिक स्कूलों में लड़कियों के चरणबद्ध प्रवेश को मंजूरी दी थी।

5. विदेशी पोर्टफोलियो निवेश (FPI)

- इसमें विदेशी निवेशकों द्वारा निष्क्रिय रूप से रखी गई प्रतिभूतियाँ और अन्य वित्तीय संपत्तियाँ शामिल हैं।
- यह निवेशक को वित्तीय परिसंपत्तियों का प्रत्यक्ष स्वामित्व प्रदान नहीं करता है और बाजार की अस्थिरता के आधार पर अपेक्षाकृत तरल है।
- FPI FDI की तुलना में अधिक तरल, अस्थिर और इसलिए जोखिम भरा है।
- किसी अर्थव्यवस्था में परेशानी के पहले संकेत पर भागने की प्रवृत्ति के कारण FPI को अक्सर "हॉट मनी" कहा जाता है।
- यह किसी देश के पूंजी खाते का हिस्सा है और इसके भुगतान संतुलन (BOP) पर दिखाया जाता है।
- उदाहरण: स्टॉक, बॉन्ड, म्यूचुअल फंड, एक्सचेंज ट्रेडेड फंड, अमेरिकन डिपॉजिटरी रसीदें (ADRs) और ग्लोबल डिपॉजिटरी रसीदें (GDRs)।

6. कार्बन सीमा समायोजन तंत्र (CBAM)

- CBAM "2030 पैकेज में 55 के लिए फिट" का हिस्सा है, जो वर्ष 1990 के स्तर की तुलना में वर्ष 2030 तक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम से कम 55% कम करने की यूरोपीय संघ की योजना है।
- यह एक नीति उपकरण है जिसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करके कार्बन उत्सर्जन को कम करना है कि आयातित सामान यूरोपीय संघ के भीतर उत्पादित उत्पादों के समान कार्बन लागत के अधीन हैं।

7. चुनावी बॉण्ड

- चुनावी बॉण्ड प्रणाली को वर्ष 2017 में एक वित्त विधेयक के माध्यम से पेश किया गया था और वर्ष 2018 में लागू किया गया था।
- वे दाता की गुमनामी बनाए रखते हुए पंजीकृत राजनीतिक दलों को दान देने के लिए व्यक्तियों और संस्थाओं के लिए एक साधन के रूप में काम करते हैं।

- भारतीय स्टेट बैंक (SBI) अधिकृत जारीकर्ता है और बांड नामित SBI शाखाओं के माध्यम से जारी किए जाते हैं।
- SBI 1,000 रुपये, 10,000 रुपये, 1 लाख रुपये, 10 लाख रुपये और 1 करोड़ रुपये के मूल्यवर्ग में बांड जारी करता है।
- पार्टियों को भारतीय चुनाव आयोग (ECI) के साथ अपने बैंक खाते का खुलासा करना होगा।
- भारतीय नागरिकों या भारत में स्थापित संस्थाओं द्वारा डिजिटल रूप से या चेक के माध्यम से खरीदा जा सकता है।
- खरीदा गया व्यक्तिगत रूप से या अन्य व्यक्तियों के साथ संयुक्त रूप से खरीदा जा सकता है।
- धारक को मांग पर देय और ब्याज मुक्त।
- जारी होने की तारीख से 15 कैलेंडर दिनों के लिए वैध।
- नकदीकरण केवल राजनीतिक दल के अधिकृत बैंक खाते के माध्यम से।
- राजनीतिक दल प्राप्त धन के उपयोग के बारे में बताने के लिए बाध्य हैं।
- राजनीतिक दलों की पात्रता
  - लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 29A के तहत पंजीकृत राजनीतिक दल
  - लोक सभा या विधान सभा के लिए पिछले आम चुनाव में डाले गए वोटों का कम से कम 1% वोट हासिल करना चाहिए।

8. साल्टन सागर

- अमेरिकी ऊर्जा विभाग ने हाल ही में कैलिफोर्निया के साल्टन सागर के नीचे दुनिया का सबसे बड़ा लिथियम भंडार खोजा है।
- साल्टन सागर एक उथली, खारी झील है जो दक्षिणी कैलिफोर्निया के निचले कोलोराडो रेगिस्तान में स्थित है।
- यह पर्वत श्रृंखलाओं के बीच और समुद्र तल से नीचे स्थित एक भूवैज्ञानिक अवसाद है।
- वह क्षेत्र जो अब झील है, पहले एक नमक से ढका सिंक या अवसाद (प्रागैतिहासिक झील काहुइला का अवशेष) था।
- इसकी लवणता (लगभग 45 भाग प्रति हजार) समुद्री जल से कहीं अधिक है।
- यह प्रवासी जलपक्षियों के लिए एक महत्वपूर्ण पड़ाव बिंदु है और दक्षिण से मैक्सिको और मध्य अमेरिका की ओर जाने वाले पक्षियों के लिए एक महत्वपूर्ण आवास के रूप में कार्य करता है।

प्रीलिम्स ट्रैक

Q1. निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. आधार-आधारित भुगतान लेनदेन के लिए बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण का उपयोग करते हैं।
2. निर्बाध फंड ट्रांसफर के लिए आधार-आधारित भुगतान प्रणाली यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (UPI) से जुड़ी हुई है।
3. आधार-आधारित भुगतान प्रणालियों के लिए बैंक खाते की आवश्यकता नहीं होती है, जिससे वित्तीय लेनदेन बैंक रहित आबादी के लिए सुलभ हो जाता है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कितने सही है/हैं

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीनों
D. कोई नहीं

Q2. निम्नलिखित कथन पर विचार करें

1. व्यापक परमाणु-परीक्षण-प्रतिबंध संधि (CTBT) की शर्तों के तहत भारत और पाकिस्तान के बीच परमाणु प्रतिष्ठानों की सूची का आदान-प्रदान प्रतिवर्ष किया जाता है।
2. यह आदान-प्रदान आकस्मिक परमाणु टकराव को रोकने के लिए भारत और पाकिस्तान के बीच विश्वास-निर्माण उपायों (CBM) का हिस्सा है।
3. आदान-प्रदान की गई सूची में दोनों देशों की नागरिक और सैन्य परमाणु सुविधाओं का विवरण शामिल है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कितने सही है/हैं

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीनों
D. कोई नहीं

Q3. FSSAI (भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. FSSAI उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के तहत एक नियामक संस्था है।
2. FSSAI भारत में खाद्य मानकों को स्थापित करने और खाद्य उत्पादों के विनिर्माण, प्रसंस्करण, वितरण, बिक्री और आयात को विनियमित करने के लिए जिम्मेदार है।
3. FSSAI खाद्य व्यवसायों को लाइसेंस जारी करता है और खाद्य सुरक्षा नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करता है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कितने सही है/हैं

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीनों
D. कोई नहीं

Q4. न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. यह किसानों को दी जाने वाली गारंटीकृत राशि है जब सरकार उनकी उपज खरीदती है।
2. यह आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति (CCEA) की सिफारिशों पर आधारित है।
3. CCEA 25 अनिवार्य फसलों के लिए MSP और गन्ने के लिए उचित और लाभकारी मूल्य (FRP) की सिफारिश करता है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कितने सही है/हैं

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीनों
D. कोई नहीं

Q5. एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी (ARC) पर निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. यह एक विशेष वित्तीय संस्थान है जो बैंकों और वित्तीय संस्थानों से गैर-निष्पादित परिसंपत्तियाँ (NPA) खरीदता है।
2. परिसंपत्ति पुनर्निर्माण कंपनियां या ARC आरबीआई के तहत पंजीकृत हैं।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

A. केवल 1
B. केवल 2
C. 1 और 2 दोनों
D. न तो 1 और न ही 2

Q6. अक्सर समाचारों में देखे जाने वाले ग्रीन क्रेडिट कार्यक्रम के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. इसे व्यक्तियों और संस्थाओं को उनके सकारात्मक पर्यावरणीय योगदान के लिए पुरस्कृत और प्रोत्साहित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

2. इसमें पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ाने के उद्देश्य से आठ प्रमुख प्रकार की गतिविधियाँ शामिल हैं।
3. यह व्यापक 'LiFE' अभियान का हिस्सा है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कितने गलत है/हैं

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीनों
D. कोई नहीं

Q7. हाल ही में समाचारों में देखी गई ग्लोबल क्लाइमेट रिपोर्ट की स्थिति किसने प्रकाशित की?

A. विश्व मौसम विज्ञान संगठन (WMO)
B. जलवायु परिवर्तन पर अंतर सरकारी पैनल (IPCC)
C. प्रकृति के संरक्षण के लिए अंतर्राष्ट्रीय संघ (IUCN)
D. संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (UNEP)

Q8. आर्टेमिस समझौते के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. ये 21वीं सदी में नागरिक अंतरिक्ष अन्वेषण और उपयोग का मार्गदर्शन करने के लिए डिज़ाइन किए गए सिद्धांतों का कानूनी रूप से बाध्यकारी सेट हैं।
2. भारत ने आर्टेमिस समझौते पर हस्ताक्षर नहीं किये हैं।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

A. केवल 1
B. केवल 2
C. 1 और 2 दोनों
D. न तो 1 और न ही 2

Q9. फाइनेंशियल इंटेलिजेंस यूनिट इंडिया (FIU IND) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. यह संदिग्ध वित्तीय लेनदेन से संबंधित जानकारी प्राप्त करने, प्रसंस्करण, विश्लेषण और प्रसार के लिए जिम्मेदार केंद्रीय राष्ट्रीय एजेंसी है।
2. यह सीधे इकोनॉमिक इंटेलिजेंस काउंसिल (EIC) को रिपोर्ट करता है।
3. यह कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय के दायरे में आता है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कितने सही है/हैं

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीनों
D. कोई नहीं

Q10. XPoSat के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. यह लगभग छह डिग्री के झुकाव के साथ उच्च पृथ्वी कक्षा में परिक्रमा करेगा।
2. यह 8-30 केवी के मध्यम ऊर्जा बैंड में एक्स-रे ध्रुवीकरण को मापेगा।
3. इसमें दो पेलोड हैं अर्थात भारतीय एक्स-रे पोलारिमीटर (POLIX) और एक्स-रे स्पेक्ट्रोस्कोपी और टाइमिंग (XSPECT)।
4. XPoSat का अनुमानित मिशन जीवन लगभग दो वर्ष है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कितने सही है/हैं

A. केवल एक
B. केवल दो
C. केवल तीन
D. सभी चारों

प्रीलिम्स ट्रैक उत्तर

उत्तर : 1 विकल्प A सही है

व्याख्या

- आधार-आधारित भुगतान वास्तव में लेनदेन के दौरान व्यक्तियों की पहचान सत्यापित करने के लिए बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण विधियों जैसे फिंगरप्रिंट या आईरिस स्कैन का उपयोग करते हैं। यह भुगतान प्रणाली में सुरक्षा की एक अतिरिक्त परत जोड़ता है। **अतः, कथन 1 सही है**
- आधार-आधारित भुगतान प्रणालियाँ सीधे तौर पर एकीकृत भुगतान इंटरफ़ेस (UPI) से जुड़ी नहीं हैं, इसके बजाय, वे लेनदेन के लिए आधार संख्या और बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण का उपयोग करके स्वतंत्र रूप से काम करते हैं। UPI एक अलग प्रणाली है जो मोबाइल उपकरणों के माध्यम से बैंक खातों के बीच त्वरित धन हस्तांतरण की सुविधा देती है। **इसलिए, कथन 2 गलत है**
- आधार-आधारित भुगतान प्रणालियों के लिए आमतौर पर एक लिंक्ड बैंक खाते की आवश्यकता होती है। हालाँकि, वे पारंपरिक बैंकिंग पहुंच से वंचित व्यक्तियों को उनके आधार नंबर से जुड़े बैंक खाते खोलने की अनुमति देकर वित्तीय समावेशन को सक्षम बनाते हैं। यह समावेशन पहलू बैंक रहित आबादी तक बैंकिंग सेवाओं का विस्तार करता है। **इसलिए, कथन 3 गलत है**

उत्तर : 2 विकल्प B सही है

व्याख्या

- भारत और पाकिस्तान के बीच परमाणु प्रतिष्ठानों की सूची का आदान-प्रदान CTBT के तहत नहीं किया जाता है। इसके बजाय, इसे एक-दूसरे की परमाणु सुविधाओं पर हमलों को रोकने के लिए दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय समझौते के हिस्से के रूप में सालाना किया जाता है। CTBT मुख्य रूप से नागरिक और सैन्य दोनों उद्देश्यों के लिए सभी परमाणु विस्फोटों पर प्रतिबंध लगाने पर केंद्रित है लेकिन इस विशिष्ट विनिमय को अनिवार्य नहीं करता है। **इसलिए, कथन 1 गलत है**
- परमाणु प्रतिष्ठानों की सूची का आदान-प्रदान वास्तव में भारत और पाकिस्तान के बीच विश्वास-निर्माण उपायों (CBM) का हिस्सा है। इसका उद्देश्य परमाणु सुविधाओं के स्थान के संबंध में पारदर्शिता और संचार को बढ़ावा देकर आकस्मिक परमाणु टकराव के जोखिम को कम करना है। **अतः, कथन 2 सही है**
- भारत और पाकिस्तान के बीच आदान-प्रदान की गई सूची में नागरिक परमाणु प्रतिष्ठानों और सुविधाओं का विवरण शामिल है जिनका सैन्य महत्व हो सकता है। यह आदान-प्रदान आपसी समझ को बढ़ाता है और ऐसी सुविधाओं पर आकस्मिक हमलों के जोखिम को कम करता है। **अतः, कथन 3 सही है**

उत्तर : 3 विकल्प C सही है

व्याख्या

- FSSAI स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत काम करता है, न कि उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के तहत। यह खाद्य उत्पादों की सुरक्षा और मानकों को सुनिश्चित करने के लिए एक स्वायत्त निकाय के रूप में कार्य करता है। **इसलिए, कथन 1 गलत है।**
- FSSAI को खाद्य मानक निर्धारित करने और विनिर्माण, प्रसंस्करण, वितरण, बिक्री और आयात सहित खाद्य उद्योग के विभिन्न पहलुओं को विनियमित करने का अधिकार है। इसका उद्देश्य उपभोग के लिए सुरक्षित और पौष्टिक भोजन की उपलब्धता सुनिश्चित करना है। **अतः, कथन 2 सही है।**
- FSSAI खाद्य व्यवसायों को लाइसेंस जारी करने और यह सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार है कि वे खाद्य सुरक्षा नियमों का अनुपालन करते हैं। इससे बाजार में उपलब्ध खाद्य उत्पादों की गुणवत्ता और सुरक्षा बनाए रखने में मदद मिलती है **, इसलिए, कथन 3 सही है।**

उत्तर : 4 विकल्प A सही है

व्याख्या

- MSP वह गारंटीकृत राशि है जो किसानों को तब दी जाती है जब सरकार उनकी उपज खरीदती है। **अतः, कथन 1 सही है।**
- MSP कृषि लागत और मूल्य आयोग (CACP) की सिफारिशों पर आधारित है, जो उत्पादन लागत, मांग और आपूर्ति, बाजार मूल्य रुझान, अंतर-फसल मूल्य समानता आदि जैसे विभिन्न कारकों पर विचार करता है। **इसलिए, कथन 2 गलत है .**
- CACP कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय का एक संलग्न कार्यालय है।
- भारत के प्रधान मंत्री की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति (CCEA) MSP के स्तर पर अंतिम निर्णय (अनुमोदन) लेती है।

- CACP 22 अनिवार्य फसलों के लिए MSP और गन्ने के लिए उचित और लाभकारी मूल्य (FRP) की सिफारिश करता है। **इसलिए, कथन 3 गलत है।**
- अनिवार्य फसलों में खरीफ सीजन की 14 फसलें, 6 रबी फसलें और 2 अन्य वाणिज्यिक फसलें शामिल हैं।

उत्तर : 5 विकल्प C सही है

व्याख्या

- एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी (ARC) एक विशेष वित्तीय संस्थान है जो बैंकों और वित्तीय संस्थानों से गैर-निष्पादित परिसंपत्तियां (NPA) खरीदती है ताकि वे अपनी बैलेंस शीट को साफ कर सकें। **अतः, कथन 1 सही है।**
- इससे बैंकों को सामान्य बैंकिंग गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित करने में मदद मिलती है।
- परिसंपत्ति पुनर्निर्माण कंपनियां या ARC आरबीआई के तहत पंजीकृत हैं। **अतः, कथन 2 सही है।**
- वित्तीय संपत्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण और सुरक्षा हित का प्रवर्तन (SARFAESI) अधिनियम, 2002 भारत में ARC की स्थापना के लिए कानूनी आधार प्रदान करता है।

उत्तर : 6 विकल्प D सही है

व्याख्या

- ग्रीन क्रेडिट कार्यक्रम व्यक्तियों और संस्थाओं को उनके सकारात्मक पर्यावरणीय योगदान के लिए पुरस्कृत और प्रोत्साहित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। **अतः, कथन 1 सही है।**
- यह पर्यावरण संरक्षण और टिकाऊ प्रथाओं में योगदान देने के लिए विभिन्न हितधारकों को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार द्वारा शुरू किया गया एक स्वैच्छिक कार्यक्रम है।
- यह कार्यक्रम व्यापक 'LiFE' अभियान (पर्यावरण के लिए जीवन शैली) का हिस्सा है, और यह स्वैच्छिक पर्यावरण-सकारात्मक कार्यों को प्रोत्साहित और पुरस्कृत करता है। **अतः, कथन 3 सही है।**
- ग्रीन क्रेडिट कार्यक्रम में पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ाने के उद्देश्य से आठ प्रमुख प्रकार की गतिविधियाँ शामिल हैं, जैसे वृक्षारोपण, जल प्रबंधन, सतत कृषि, अपशिष्ट प्रबंधन, वायु प्रदूषण में कमी और मैंग्रोव संरक्षण और बहाली। **अतः, कथन 2 सही है।**
- ग्रीन क्रेडिट की गणना वांछित पर्यावरणीय परिणामों को प्राप्त करने के लिए आवश्यक संसाधन आवश्यकताओं, पैमाने, दायरे, आकार और अन्य प्रासंगिक मापदंडों जैसे कारकों द्वारा निर्धारित की जाती है।
- कार्यक्रम का एक महत्वपूर्ण घटक ग्रीन क्रेडिट रजिस्ट्री की स्थापना है, जो अर्जित क्रेडिट को ट्रैक और प्रबंधित करने में मदद करेगा।
- इसके अतिरिक्त, प्रशासक घरेलू बाजार में ग्रीन क्रेडिट्स के व्यापार को सक्षम करने के लिए एक ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म बनाएगा और बनाए रखेगा।

उत्तर : 7 विकल्प A सही है

व्याख्या

- विश्व मौसम विज्ञान संगठन (WMO) की वैश्विक जलवायु रिपोर्ट की अनंतिम स्थिति पुष्टि करती है कि वर्ष 2023 रिकॉर्ड पर सबसे गर्म वर्ष है। **अतः, विकल्प A सही है।**
- वर्ष 2023 में, वैश्विक तापमान खतरनाक रूप से पेरिस समझौते में निर्धारित 1.5 डिग्री सेल्सियस की सीमा के करीब पहुँच गया।
- नवंबर तक पूर्व-औद्योगिक स्तर से औसतन 1.46 डिग्री सेल्सियस ऊपर, दुनिया में रिकॉर्ड तोड़ तापमान देखा गया।

उत्तर : 8 विकल्प A सही है

व्याख्या

- आर्टेमिस समझौते 21वीं सदी में नागरिक अंतरिक्ष अन्वेषण और उपयोग का मार्गदर्शन करने के लिए डिज़ाइन किए गए सिद्धांतों का एक गैर-बाध्यकारी सेट है। **अतः, कथन 1 सही है।**
- ये सिद्धांत एक सुरक्षित और पूर्वानुमानित बाहरी अंतरिक्ष वातावरण के रखरखाव को सुनिश्चित करने में मदद करेंगे।
- नासा ने अमेरिकी विदेश विभाग के साथ समन्वय में सात अन्य संस्थापक सदस्य देशों के साथ मिलकर वर्ष 2020 में आर्टेमिस समझौते की स्थापना की।
- हस्ताक्षरकर्ता: ऑस्ट्रेलिया, बहरीन, ब्राज़ील, कनाडा, कोलंबिया, चेक गणराज्य, फ्रांस, इज़राइल, इटली, जापान, लक्ज़मबर्ग, मैक्सिको, न्यूज़ीलैंड, नाइजीरिया, पोलैंड, कोरिया गणराज्य, रोमानिया, रवांडा, सऊदी अरब, सिंगापुर, स्पेन, यूक्रेन, संयुक्त अरब अमीरात, यूनाइटेड किंगडम और संयुक्त राज्य अमेरिका।
- हाल ही में, भारत आर्टेमिस समझौते पर हस्ताक्षर करने वाला 27वां देश बन गया है। **इसलिए, कथन 2 गलत है।**

उत्तर : 9 विकल्प B सही है

व्याख्या

- FIU IND की स्थापना भारत में वर्ष 2004 में संदिग्ध वित्तीय लेनदेन से संबंधित जानकारी प्राप्त करने, प्रसंस्करण, विश्लेषण और प्रसार के लिए जिम्मेदार केंद्रीय राष्ट्रीय एजेंसी के रूप में की गई थी। **अतः, कथन 1 सही है।**
- यह मनी लॉन्ड्रिंग और संबंधित अपराधों के खिलाफ वैश्विक प्रयासों को आगे बढ़ाने में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय खुफिया, जांच और प्रवर्तन एजेंसियों के प्रयासों के समन्वय और मजबूती के लिए भी जिम्मेदार है।
- यह एक स्वतंत्र निकाय है जो सीधे वित्त मंत्री की अध्यक्षता वाली आर्थिक खुफिया परिषद (EIC) को रिपोर्ट करता है। **अतः, कथन 2 सही है।**
- यह वित्त मंत्रालय के दायरे में आता है। **इसलिए, कथन 3 गलत है।**

उत्तर : 10 विकल्प B सही है

व्याख्या

- XPoSat मिशन दुनिया का दूसरा उपग्रह-आधारित मिशन है जो पूरी तरह से एक्स-रे पोलारिमेट्री माप बनाने के लिए समर्पित है।
- यह लगभग छह डिग्री के कम झुकाव के साथ लगभग 650 किमी की ऊंचाई पर पृथ्वी की निचली कक्षा में परिक्रमा करेगा। **इसलिए, कथन 1 गलत है।**
- इसे विशिष्ट खगोलीय घटनाओं के दौरान उत्सर्जित ध्रुवीकृत एक्स-रे का निरीक्षण करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जैसे कि ग्रहण अवधि के दौरान जब मैग्नेटर या न्यूट्रॉन तारे पृथ्वी की छाया से गुजरते हैं।
- यह मध्यम ऊर्जा बैंड (8-30 केवी) में एक्स-रे ध्रुवीकरण माप पेश करता है। **अतः, कथन 2 सही है।**
- यह अज्ञात क्षेत्र मैग्नेटर, ब्लैक होल और न्यूट्रॉन सितारों जैसे खगोलीय पिंडों के बारे में हमारी समझ को बढ़ाने का वादा करता है।
- XPoSat में दो पेलोड हैं। भारतीय एक्स-रे पोलारिमीटर (POLIX) और एक्स-रे स्पेक्ट्रोस्कोपी और टाइमिंग (XSPECT)। **अतः, कथन 3 सही है।**
- प्रत्याशित मिशन जीवन लगभग पाँच वर्ष है। **इसलिए, कथन 4 गलत है।**

Mentorship India

Azadi Ka Amrit Mahotsav

स्वच्छ भारत

Mentorship India

Our mission is crystal clear – to provide the finest UPSC mentorship and guidance available in India. We recognize that the path to success in the UPSC examination is both demanding and multifaceted. This is precisely why we have developed a comprehensive approach that goes beyond conventional coaching. Our commitment lies in fostering excellence by equipping aspirants with the necessary tools, knowledge, and unwavering support to not only excel in the examination but also in life itself.

Mentorship India represents more than just an organization; it is a community of ambitious individuals bound together by the shared objective of conquering the UPSC examination. We warmly invite you to embark on this transformative journey alongside us. Whether you are a novice taking your initial steps or a seasoned aspirant aiming for the pinnacle, Mentorship India is your dependable companion in the relentless pursuit of excellence.

+91 9999 057869
www.mentorshipindia.com

A-92, Third Floor, Hari Nagar
Delhi - 110064

@mentorship.india

Skill India कौशल भारत-कुशल भारत

Digital India Power To Empower

G20 भारत 2023 INDIA

MAKE IN INDIA